स्थाई क्रंतक दांतों के अंतिम जोड़े के निकलने की आयु लगभग 47–51 माह होती है और पशु आठ दांत कहलाता है (चित्र 6)। इस आयु तक गोपशु के सभी स्थाई दांत निकल आते हैं। पहले निकले दांतों का घिसाव पहले आरंभ हो जाता है तथा आगे की आयु का अनुमान इनकी घिसाई के आधार पर ही किया जाता है।

तालिका–2: गोवंश में आयु के अनुमान हेतु क्रंतक दांतों के निकलने की अवस्था

क्रन्तक दाँतों का प्रकार		दाँत निकलने पर पशु की अनुमानित आयु
अस्थाई	प्रथम जोड़ा	जन्म के समय
	द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ	2–3 सप्ताह
स्थाई	प्रथम जोड़ा (दो दाँत)	24–26 माह
	द्वितीय जोड़ा (चार दाँत)	29–33 माह
	तृतीय जोड़ा (छः दाँत)	38–41 माह
	चतुर्थ जोड़ा (आठ दाँत)	47–51 माह

दंत–विन्यास आधारित आयु अनुमान हेतु कुछ अन्य मुख्य बिंदु:

- सामान्यत: जोड़े के दोनों दांत लगभग एक साथ मसूड़ों में से निकलते हैं, कभी–कभी एक तरफ का एक दांत दूसरे से पहले भी निकल सकता है।
- कभी–कभी अस्थाई दांत के होते हुए भी स्थाई दांत का निकलना आरंभ हो जाता है।
- सामान्यत: किसी एक दांत के पूर्ण विकास में लगभग 1–2 माह का समय लगता है।
- सभी स्थाई दांतों के निकलने के 6–12 माह पश्चात् इनका घिसना आरंभ हो जाता है।
- संकर नस्ल की गायों की अपेक्षा देशी गायों में दांत लगभग 3 महीने पश्चात् निकलने आरंभ होते हैं।
- दांतों का निकलना व घिसना पशु की नस्ल, उनकी वृद्धि, पोषण व अन्य प्रबंधन के तरीकों पर निर्भर करता है।

प्रकाशक : निदेशक

भाकृअनुप–केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान
ICAR – Central Institute for Research on Cattle
Grass Farm Road, Post Box No. 17, Meerut Cantt – 250001 India
Phone: 0121-2657136 • E-mail : dirpdcm@yahoo.com
Web: www.circ.org.in

CIRC/2019/01

दंत विन्यास के आधार पर गोपशुओं की आयु का आंकलन

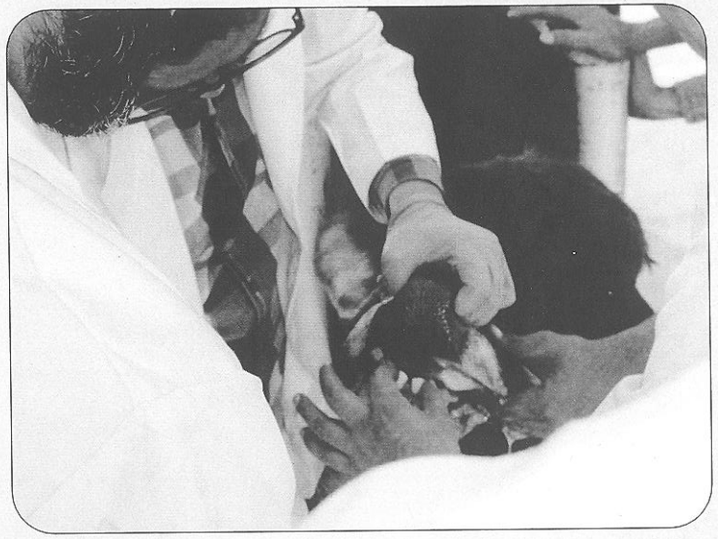

अजयवीर सिंह सिरोही, नेमी चन्द, श्रीकांत त्यागी व योगेश कुमार सोनी

जून 2019

भाकृअनुप–केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान
ICAR – Central Institute for Research on Cattle
पोस्ट बॉक्स सं.17, ग्रास फार्म रोड, मेरठ छावनी–250001

पशु की आयु का अनुमान लगाना पशुपालन व्यवसाय में प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण मानदंड है। इनकी निश्चित आयु के निर्धारण हेतु आवश्यक रिकार्ड प्राय: पशु फार्म पर उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। पशुओं का आकार व भार इनकी वृद्धि को दर्शा सकता है परन्तु इनकी आयु हेतु एक विश्वसनीय मानदंड नहीं है। आजकल फार्म पर पशुओं के सींगों को अल्पायु में ही दाग दिया जाता है और इस प्रकार पशु के सींग रहित होने पर आयु निर्धारण के लिए उनके छल्लों को नहीं गिना जा सकता है। इन अवस्थाओं में पशु के दंत-विन्यास के अध्ययन द्वारा इनकी अनुमानित आयु का पता लगाया जा सकता है। इस पत्रक के माध्यम से गायों में उनकी आयु का अनुमान लगाने का सरल तरीका बताया गया है।

एक व्यस्क गाय में कुल 32 स्थायी (पक्के) दांत होते हैं। यह सभी पशु के पैदा होने पर उपस्थित नहीं होते हैं। पशु के पैदा होने से लेकर व्यस्क होने तक इनके दांतों की संरचना में परिवर्तन का विश्लेषण कर इनकी आयु का अनुमान लगाया जाता है।

तालिका-1 : गोवंश में दंत सूत्र

दांत का प्रकार	जबड़ा	क्रंतक (Incisor)	रद्नक (Canine)	अग्रचर्वणक (Premolar)	चर्वणक/ दाढ़ (Molar)
दूध के दाँत	ऊपरी जबड़ा	0	0	3+3	0
	निचला जबड़ा	4+4	0	3+3	0
स्थायी दाँत	ऊपरी जबड़ा	0	0	3+3	3+3
	निचला जबड़ा	4+4	0	3+3	3+3

नवजात शिशु के जन्म के समय निचले जबड़े के सामने के दो अथवा चार अस्थाई (दूध वाले/पातीदंत) क्रंतक दांत उपस्थित होते हैं। ये दांत दिखाए गए चित्र 1 के समान गुलाबी मसूड़ों में से निकलते हुए दिखाई देते हैं। कभी-कभी नवजात के जन्म के समय यह दांत अनुपस्थित होते हैं लेकिन शीघ्र ही कुछ दिनों में निकल आते हैं। गायों के ऊपरी जबड़े में क्रंतक व रद्नक दांत अनुपस्थित होते हैं। बछड़े व बछड़ियों में 2-3 सप्ताह की आयु तक शेष अस्थाई क्रंतक निकल आते हैं। एक माह की आयु तक अस्थाई अग्रचर्वणक भी निकल आते हैं। लेकिन दांतों की संरचना के आधार पर आसानी से आयु के अनुमान हेतु जबड़े में पीछे की ओर उपस्थित अग्रचर्वणक तथा चर्वणक दांतों को नहीं देखा जाता है। उम्र के बढ़ने के साथ-साथ इन दांतों का आकार भी बढ़ता जाता है। वृद्धिशील बछड़े व बछड़ियों में लगभग दो वर्ष की आयु तक चित्र 2 के समान दांत दिखा देते हैं। दांत के आकार में वृद्धि के साथ-साथ इनका रंग भी गहरा होता जाता है। लगभग 6 माह की आयु तक चर्वणक दांतों का पहला जोड़ा और 18 माह की आयु तक दूसरा जोड़ा भी निकल आता है।

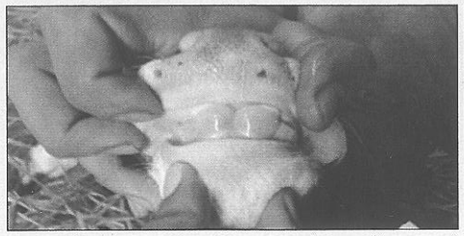

चित्र 1 : जन्म के समय क्रंतक दाँत

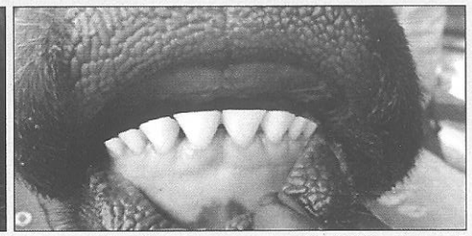

चित्र 2 : वृद्धिशील बछड़े व बछड़ियों में क्रंतक दाँत

लगभग 22-24 माह की आयु पर सामने के दोनों अस्थाई क्रंतक दांत ढीले होकर गिर जाते हैं तथा इनके स्थान पर 24-26 माह की आयु तक स्थाई क्रंतक दांतों का पहला जोड़ा मसूड़ों से निकलता हुआ दिखा देता है। इन दांतों के निकलने पर ही पशु को दो दांत कहा जाता है। ये दांत आसपास के अस्थाई क्रंतक दांतों से बड़े व अधिक सफ़ेद नजर आते हैं। इसी आयु पर स्थाई अग्रचर्वणक दांतों का पहला जोड़ा भी निकल आता है। लगभग 27 माह की आयु तक इन दांतों का दूसरा जोड़ा और चर्वणक दांतों का अंतिम जोड़ा भी निकल आता है।

चित्र 3 : दो दाँत गोवंश

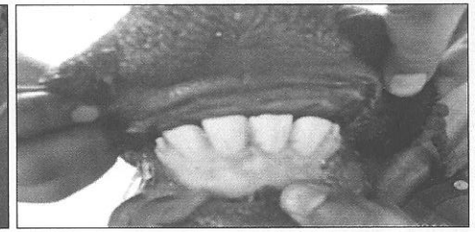

चित्र 4 : चार दाँत गोवंश

स्थाई क्रंतक दांतों के दूसरे जोड़े के निकलने की आयु लगभग 27-33 माह होती है और पशु चार दांत कहलाता है (चित्र 4)। स्थाई दांतों के निकलने से पहले अस्थाई दांत ढीले होकर गिरने लगते हैं। मसूड़ों से निकलता हुआ नया दांत आसपास के दांतों की अपेक्षा अधिक सफ़ेद व आकार में अधिक बड़ा दिखाई देता है। इसी आयु पर अग्रचर्वणक दांतों का अंतिम जोड़ा भी निकल आता है।

लगभग 38-41 माह की आयु तक स्थाई क्रंतक दांतों का तीसरा जोड़ा भी निकल आता है और पशु छ: दांत कहलाता है (चित्र 5)। इन स्थाई क्रंतक दांतों की अपेक्षा उपस्थित अस्थाई क्रंतक दांत अधिक छोटे दिखाई देते हैं।

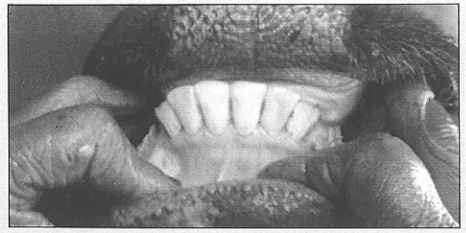

चित्र 5 : छ: दाँत गोवंश

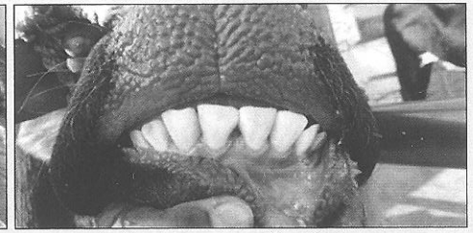

चित्र 6 : आठ दाँत गोवंश